TREATMENT INJUSTICE (NGO)

DIABETES

मधुमेह

मधुमेह - DIABETES, TYPE : 1 & 2

Diabetes एक ऐसा विकार है जिसमें हमारा शरीर रक्त में मौजूद शर्करा (Glucose) का उपयोग ठीक तरह से नहीं कर पाता या रक्त में मौजूद Glucose हमारी कोशिकाओं के भीतर प्रवेश नहीं कर पाता। क्योंकि शरीर में या तो इंसुलिन बिल्कुल नहीं होता है या कम होता है या शरीर में Insulin के विपरीत रोधकता पैदा हो जाती है।

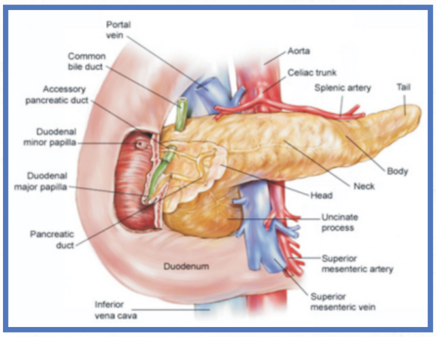

मुख्य रूप से Diabetes दो तरह का होता है:-

1) Type 1: इसमें शरीर के अन्दर Insulin बिलकुल तैयार हीं नहीं होता क्योंकि Insulin तैयार करने वाली कोशिकाएं ही नष्ट हो जाती हैं या काम करना बंद कर देती हैं। यह अक्सर छोटी उम्र / बचपन में होता है। इसलिए इसे "Juvenile Diabetes"भी कहते हैं। Type 1 Diabetes से ग्रस्त व्यक्तियों को जीवन भर Insulin लेना पड़ता है। इसमें मुंह से ली जाने वाली गोलियों का भी असर नहीं होता। मॉडर्न पैथी में यह अभी तक असाध्य है। परन्तु आयुर्वेद, नेचरोपैथी में Ph Balanced Diet, पंचकर्म की मदद से अभी तक हजारों लोगों की इन्सुलिन के इंजेक्शन बंद हो चुके है या कम हो चुके है। इसके लिए खाने पीने व लाइफस्टाइल में कुछ परिवर्तन करने पड़ते है।

2) Type 2: यह आम तौर पर 30-40 या अधिक उम्र या मोटे लोगों में होता है। इन मरीजों के शरीर में पर्याप्त मात्रा में Insulin तो होता है, लेकिन शरीर उसे सही प्रकार से उपयोग नहीं कर पाता (Insulin receptor cells काम नहीं करते) या शरीर में पर्याप्त मात्रा में Insulin तैयार ही नहीं होता क्योंकि आवश्यकता अधिक होती है। इसमें मरीजों को नियमित व्यायाम, संतुलित भोजन और दवाओं के प्रयोग से Glucose की मात्रा को नियन्त्रित किया जा सकता है। अतः यह साध्य है यानि टाइप 2 शुगर 80 से 85% लोगों का रिवर्स किया जा सकता है।

इनके अलावा एक और सामान्य प्रकार का Diabetes होता है। वह है- जेस्टेशनल डायबिटीजः यह गर्भावस्था के दौरान हो जाता है और स्वतः ठीक हो जाता है। परन्तु कई बार यह प्रस्तुति के बाद भी बना रह सकता है। Gestational Diabetes के मुख्य लक्षणः बुनियादी तौर पर Diabetes के 3 मुख्य लक्षण होते हैं जो ग्रस्त रोगियों में दिखाई देते हैः-

1.Polyphagia (पोलीफेजिया): अधिक मात्रा में भोजन करने के बाद भी मरीजों को भूख महसूस होती है।

2. Polydypsia (पोलीडिप्सिया) : मरीज को बहुत ज्यादा प्यास लगती है और मुँह हर समय सूखता रहता है।

3. Polyuria (पोलीयूरिया): मरीज को बार-बार पेशाब लगती है खास तौर पर रात में ज्यादा बार।

रक्त में Sugar Level का कम या ज्यादा होना

1. Hyperglycemia (High Blood Sugar): रक्त में शर्कराका अधिक हो जाना। इस स्थिति में Blood Glucose का स्तर सामान्य से अधिक हो जाता है। यह स्थिति अधिक समय तक बने रहने पर और सही उपचार न होने पर मरीज में कई प्रकार की जटिलताएँ हो सकती हैं। जैसे-आँख, हृदय, गुर्दे और कई अन्य अंगो को नुकसान पहुँच सकता है।

2. Hypoglycemia (Low Blood Sugar): रक्त में शर्करा का कम हो जानाः- इस स्थिति में रक्त में Glucose का स्तर सामान्य से कम हो जाता है। यह कई कारणों से हो सकता है। जैसे:-

- बहुत कम मात्रा में भोजन करना
- बहुत ज्यादा उल्टियाँ होना
- Allopathic Medications
- जरूरत से ज्यादा दवाई लेना
- अधिक व्यायाम या परिश्रम करना

इस स्थिति में मरीज को चक्कर आने लगते हैं, पसीना आता है, सिरदर्द या चित्त भ्रम होता है, मुँह के पास झुनझुनी होती है।

* इस स्थिति में रोगी को तुरन्त 1 TSP भर कर गुड़, एक कप फलों का रस या 1-2 खजूर खिलाना चाहिए।

हमारे खान-पान तथा जीवनशैली में महत्वपूर्ण परिवर्तन करके तथा नियमित व्यायाम, दिव्य साधना व प्रभावकारी आयुर्वेदिक औषधियों, पंचकर्म के प्रयोग से टाइप-2 व टाइप-1 की शुगर रिवर्स हो सकती है। (दूध से बनी व जानवरों से प्राप्त सभी चीजें व डिब्बा बंद पैकेट वाली सभी चीजे छोड़नी होंगी)। मॉडर्न pathy में शुगर की गोली व इन्सुलिन के सभी नाम व उन सबके साइड इफ़ेक्ट व रिसर्च पेपर अगले पेज पर है। रिसर्च के अनुसार शुगर व बी. पी. को कंट्रोल करने वाली गोली व इन्सुलिन से किडनी तक फेल हो सकती है।

DIABETES (मधुमेह) में दी जाने वाली मॉडर्न मेडिसिन्स के साइड इफ़ेक्ट

- Actoplus Met Xr
- Alogliptin (Nesina)
- Canagliflozin (Invokana)
- Dapagliflozin (Farxiga)
- Dapagliflozin-saxagliptin (Qtern)
- Dulaglutide (Trulicity)
- Empagliflozin (Jardiance)
- Empagliflozin-linagliptin (Glyxambi)
- Empaglifozin-linagliptin -metformin (Trijardy Xr)
- Ertugliflozin (Steglatro)
- Exenatide (Byetta)
- Exenatide Extended-release (Bydureon Bcise)
- Gliclazide
- Glimepiride (Amaryl, Glipizide)
- Glimepiride-pioglitazone (Duetact)
- Glipizide Er (Glipizide Xl)
- Glyburide (Glynase)
- Linagliptin (Tradjenta)
- Linagliptin-empagliflozin (Glyxambi)
- Liraglutide (Saxenda, Victoza)
- Lixisenatide (Adylyxin)
- Metformin-Alogliptin (Kazano)
- Metformin-canagliflozin (Invokamet)
- Metformin-dapagliflozin (Xigduo Xr)
- Metformin-empagliflozin (Synjardy)
- Metformin-glipizide
- Metformin-glyburide (Glucovance)
- Metformin-linagliptin (Jentadueto)
- Metformin-pioglitazone (Actoplus Met)
- Metformin-repaglinide (Prandimet)
- Metformin-rosiglitazone (Avandamet)
- Metformin-saxagliptin (Kombiglyze Xr)
- Metformin-sitagliptin (Janumet)
- Metmorfin-ertugliflozin (Segluromet)
- Nateglinide (Starlix)
- Pioglitazone-alogliptin (Oseni)
- Pioglitazone-glimepiride (Duetact)
- Repaglinide (Prandin)
- Rosiglitazone
- Saxagliptin (Onglyza)
- Semaglutide (Ozempic)
- Sitagliptin (Januvia)
- Sitagliptin-Simvastatin (Juvisync)

मॉडर्न पैथी द्वारा बताये गए OHA DIABETES DRUGS के साइड इफ़ेक्ट:

THIAZOLIDINEDIONES जैसी एलोपैथिक दवाओं के रेगुलर इस्तेमाल से **Heart Problems** का खतरा रहता है।

https://www.diabetes.co.uk/diabetes-medication/thiazolidinediones.html

सामान्य मधुमेह दवाओं के दुष्प्रभाव से **"Liver Fail"** और **"Kidney Failure"**

Kidney Complications | Risk of Liver Disease

https://www.diabetes.co.uk/features/diabetes-medication-side-effects.html

मधुमेह की अंग्रेज़ी दवाओं के रेगुलर इस्तेमाल से जुड़ा **"हृदय रोग (Heart Diseases)"** का ख़तरा

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC4548036

DIABETES (मधुमेह) में दी जाने वाली मॉडर्न मेडिसिन के साइड इफ़ेक्ट

"LIRAGLUTIDE" जैसी दवाओं के रेगुलर उपयोग से
Constipation, IBS, Digestive Disorders
https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/36187122/

THIAZOLIDINEDIONES जैसी एलोपैथिक दवाओं के अत्यधिक प्रयोग से
Cardio Vascular Diseases और Heart Attack का खतरा होना
https://link.springer.com/article/10.1007/s00125-017-4337-9

Diabetes की दवाओं को लंबे समय तक इस्तेमाल करने से
Diabetic Retinopathy, Vision Loss की संभावना बढ़ जाती है।
https://link.springer.com/article/10.1007/s40261-025-01421-2

शुगर की एलोपैथिक दवाइयों से रेगुलर इस्तेमाल से हो रही
Skin Diseases
https://link.springer.com/article/10.1186/2050-6511-15-3

"SGLT2 Inhibitor" जैसी दवाइयों के लगातार प्रयोग से
Infection का रिस्क बढ़ सकता है।
https://pmc.ncbi.nlm.nih.gov/articles/PMC12549203/

शुगर की एलोपैथिक दवाइयों के रेगुलर इस्तेमाल से हो रहा
Anemia और Vit-B12 Deficiency
https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/26900641/

शुगर की एलोपैथिक दवाइयाँ ज्यादा समय तक लेने से
बढ़ सकता है Sexual Dysfunction का खतरा।
https://www.diabetes.co.uk/diabetes-medication/dpp-4-inhibitors.html

DIABETES (मधुमेह) में दी जाने वाली मॉडर्न मेडिसिन के साइड इफ़ेक्ट

"DPP-4 INHIBITORS" जैसी दवाओं से होने वाला PANCREATITIS और अन्य दुष्प्रभाव

- Gastrointestinal Problems – Including Nausea, Diarrhea & Stomach Pain
- Flu-like Symptoms – Headache, Runny Nose, Sore Throat
- Skin Reactions – Painful Skin Followed By a Red or Purple Rash

https://www.diabetes.co.uk/diabetes-medication/dpp-4-inhibitors.html

शुगर की एलोपैथिक दवाइयों के लंबे समय तक इस्तेमाल से "अनचाहा मोटापा या दुबलापन होना"

https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/25554069/

SAXENDA जैसी शुगर की दवा के अधिक उपयोग से "जोड़ों के दर्द, गठिया" व अन्य गंभीर दुष्प्रभाव

- Bladder pain
- Bloody or cloudy urine
- Body pain
- Nightmares
- Sore Throat
- Muscle Aches and Pains
- Nervousness
- Pounding in the Ears
- Slow or Fast Heartbeat

https://www.drugs.com/sfx/saxenda'-side-effects.html

"SAXENDA (LIRAGLUTIDE) दवा" के अन्य दुष्प्रभाव

- Vomiting
- Nausea
- Constipation
- Dyspepsia
- Fatigue
- Dizziness
- Hypoglycemia
- Gastroenteritis
- Stomach Pain

https://www.saxenda.com/about-saxenda/side-effects.html

इनके अतिरिक्त अन्य दुष्प्रभाव निम्नलिखित हैं :

- Lactic acidosis (लैक्टिक एसिडोसिस) ▸ Lactic acidosis refers to lactic acid build up in the bloodstream, A metallic taste in mouth (भूख में कमी, मुँह में धातु जैसा स्वाद)
- Anaemia: Metformin can block vitamin B12 absorption and cause anaemia, especially after long-term use (एनीमिया: मेटफॉर्मिन विटामिन बी-12 के अवशोषण को अवरुद्ध कर सकता है और खून की कमी का कारण बन सकता है, खासकर लंबे समय तक उपयोग के बाद)
- Metformin accumulates in the body in patients of kidney failure, heart failure, or liver disease-causing abdominal pain, jaundice, pale stools and dark urine (किडनी, हृदय व लिवर के रोगियों में मेटफॉर्मिन जमा होने के कारण लिवर में सूजन की संभावना अधिक होती है, जिसके कारण पेट में दर्द, पीलिया, पीला मल और गहरे रंग का पेशाब होता है)
- Genital and urinary tract infections (जननांगों और मूत्र मार्ग में संक्रमण)
- Postural hypotension causing dizziness on standing (पोस्टुरल हाइपोटेंशन के कारण खड़े होने पर चक्कर आना)
- Diabetic ketoacidosis (DKA) can develop in people with Type 1 and Type 2 diabetes taking SGLT2 inhibitors (एसजीएलटी2 अवरोधक लेने वाले टाइप 1 और टाइप 2 मधुमेह वाले लोगों में मधुमेह केटोएसिडोसिस (डीकेए) विकसित हो सकता है)

इन्सुलिन के साइड इफ़ेक्ट

ये कुछ मुख्य रूप से Prescribe की जाने वाली Insulin के नाम हैं जिसे शरीर में इंजेक्ट किया जाता है

Humalog, Novolog, Lispro, Insulin-Lispro, Insulin Aspart Apidra, HumuLIN R, Novolin R, Lantus, Lantus Solostar, Glargine-yfgn, Basaglar KwikPen, Levemir , Tresiba, Toujeo Solostar, Fiasp, Lispro Prot & Lispro, Lyumjev, Myxredlin, Semglee, Soliqua Soliqua, Xultophic, Humalog Mix 50/50, Humalog Mix 75/25, Novolog Mix 70/30, Humulin 70/30, Novolin 70/30, Afrezza, Lantus, Insulin Lispro, NovoLog, Levemir, Regular Insulin, NPH Insulin, Apidra, Insulin Degludec, Insulin Degludec/Insulin Aspart, Insulin Glulisine (Apidra®), Insulin Aspart (Novolog®), Insulin Lispro U-100/U-200 (Humalog®), Regular Insulin (Novolin R, Humulin R), NPH Insulin (Novolin N, Humulin N), Insulin Detemir (Levemir®), Insulin U-100 (Lantus®, Basaglar®), Insulin Glargine U-300 (Toujeo®), Insulin Degludec U-100/U-200 (Tresiba®), Pre-mixed Insulin, 70/30 (70% N and 30% R), 50/50 (50% N and 50% R), Humalog® mix 75/25, Humalog® mix 50/50, NovoLog® mix 70/30

जानिए INSULIN के साइड इफ़ेक्ट:

Insulin के रिएक्शन हो सकते हैं काफी ख़तरनाक

https://nowpatient.com/blog/the-side-effects-of-insulin

Insulin के साइड इफ़ेक्ट
Hypoglycemia, Obesity, Hypokalemia

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/books/NBK560688/

Side Effect of Insulin:

- Low blood glucose
- Injection site reactions
- Weight gain
- Headache
- Lipodystrophy
- Swelling in your Arms and Legs

https://www.goodrx.com/classes/insulins/common-side-effects

हाँ, insulin की ओवर डोज़ बन सकती है मौत का कारण

https://diabetesstrong.com/insulin-side-effects/

Insulin थेरेपी शुरू करने से बढ़ता है ख़तरा .. कैंसर का..

https://lens.google.com/search?ep=gsbubb&hl=en-IN&re=df&p=AbrfA8rt9dUTAOO6NMjm8vLQyYpqGk-EkeZSxRA3ylswF9BRlaXC9vG3_KG9_-2FTYDTuvhXiGi5mCV_FTHmFqSYLLMJzTmmuEGgjhNS3inQJ1OtHUfAxEtln4tpO8M4anLPMtuo7v7wvZzVlMj-FkRxcHn0GxzEHode5c8n758gssAHjXn7u_GJvryYztwdCk1qoRcfSKPu-hlgmCa-Jh0d8EZ8R5ByNke3OXIYv_pJQEaaXLz-xlKr8NML3d8ix_pfGc9bGMuWsVzePfEl00pKpm5XS-t0kTUGFzF40LMqs0vcSpUnalVYRa2juU4z-Sw9xVWWdlE52X0gZmaLjLk%3D#lns=W251bGwsbnVsbCxudWxsLG51bGwsbnVsbCxudWxsLG51bGwslkVrY0tKR1F6TjJObU9HVm1MVFU0TVRJdE5HWTNNUzFoTTJZekxXVTNaV1kwTXpjeU5UUTJNeElmWjNwQ1EyTTVOM0p6Y0dOaGMwWldkMUYzZG5veE4wZEhVMGRDY1RCb1p3PT0iXQ==

इन्सुलिन के साइड इफ़ेक्ट

जानिए INSULIN के साइड इफ़ेक्ट:

इंसुलिन लेते रहने से तेज **एलर्जिक रिएक्शन (Hypersensitivity)** का जोखिम हो सकता है
https://www.drugs.com/sfx/insulin-side-effects.html

इंसुलिन रेगुलर इस्तेमाल से शरीर में **पोटैशियम की कमी (Hypokalemia)** का जोखिम बढ़ जाता है।
https://www.ncbi.nlm.nih.gov/books/NBK560688/

इंसुलिन का ज्यादा इस्तेमाल **सिरदर्द की समस्या** को बढ़ती है।
https://www.goodrx.com/classes/insulins/common-side-effects

इंसुलिन लेने से इंजेक्शन वाली जगह पर **चर्बी का असामान्य बदलाव (Lipodystrophy)** हो सकता है।
https://www.goodrx.com/classes/insulins/common-side-effects

इंसुलिन के रेगुलर उपयोग से **हाथ-पैरों में सूजन** की समस्या बढ़ जाती है।
https://www.goodrx.com/classes/insulins/common-side-effects

गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रोग: पाचन तंत्र की गंभीर समस्या का खतरा बढ़ जाता है इंसुलिन के अधिक उपयोग से।
https://www.drugs.com/sfx/insulin-side-effects.html

कमज़ोर इम्युनिटी: बार-बार बीमार पड़ने का जोखिम बढ़ जाता है।
https://www.drugs.com/sfx/insulin-side-effects.html

आयुर्वेद में Diabetes का समाधान

आपको जानकर आश्चर्य भी होगा और खुशी भी कि आयुर्वेद में उन कई बीमारियों का उपचार हो सकता है जिन्हें अंग्रेजी दवाएं ठीक नहीं कर पाती हैं. शुगर भी एक ऐसी ही बीमारी है...आयुर्वेद में डायबिटीज को मधुमेह कहा जाता है. हम सभी जानते हैं कि रक्त में ग्लूकोज की मात्रा बढ़ने के कारण मधुमेह की समस्या होती है. आयुर्वेद में इस बीमारी का उपचार चरक संहिता और सुश्रुत संहिता में वर्णित किया गया है. आयुर्वेद में माना जाता है कि मधुमेह का रोग शरीर की चयापचय प्रणाली यानी मेटाबॉलिज़्म में समस्या होने के कारण होता है. मेटाबॉलिज़्म शरीर की एक प्रॉसेस है, जिसके दौरान शरीर भोजन से प्राप्त पोषक तत्वों का उपयोग करके उनसे ऊर्जा प्राप्त करता है. जब मेटाबॉलिज़्म में गड़बड़ हो जाती है तो शरीर में मौजूद इंसुलिन हॉर्मोन या तो सही तरीके से काम करना बंद कर देता है या फिर इस हॉर्मोन की कमी शरीर के अंदर हो जाती है, जिससे खून में शुगर की मात्रा बढ़ने लगती है...

आयुर्वेद में हर बीमारी के लिए तीन दोषों में से कोई एक दोष कारण होता है. इन दोषों को वात-पित्त और कफ के रूप में जाना जाता है. मधुमेह के बारे में भी यह बात लागू होती है. इसलिए इस रोग के प्रकार के आधार पर इसे वातज प्रमेह, पित्तज प्रमेह और कफज प्रमेह कहा जाता है. आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धिति के अंदर कई ऐसी अलग-अलग उपचार विधियां हैं, जिनका उपयोग करके रोगी के मेटाबॉलिज़्म को सही किया जाता है. आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धिति की विशेषता यह है कि यह रोग को नहीं बल्कि रोग के कारणों को दूर करने पर काम करती है. ताकि रोग जड़ से दूर हो सके और रोगी को बार-बार दवाओं का सेवन ना करना पड़े. ...

हम अपने हॉस्पिटल में आयुर्वेदिक औषधियां, पंचकर्म थैरेपीज, DIP DIET, HWI, नीम, करेला थेरेपी और अन्य नेचुरोपैथी थेरेपी से डायबिटीज का ट्रीटमेंट करते हैं

Heat therapy is a promising and inexpensive tool for the treatment of obesity and diabetes hot tub @40°C

https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/26049635/

आयुर्वेद में संभव है डायबिटीज का उपचार

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC6686320/#:~:text=After%204%20months,prescribed%20by%20AyurVAID

Ayurvedic meds, panchakarma, diet and yoga is can treat T2 DM

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC8728054/#:~:text=Integrated%20Ayurveda%20treatment%20protocol20containing%20Ayurveda%20medicines%2C%20panchakarma%20intervention%2C%20Ayurvedic%20pathyahara%20and%20yoga%20practise%20was%20helpful%20in%20treating%20type%202%20diabetes%20mellitus.%20This%20approach%20can%20be%20adopted%20for%20T2DM%20treatment%20and%20research

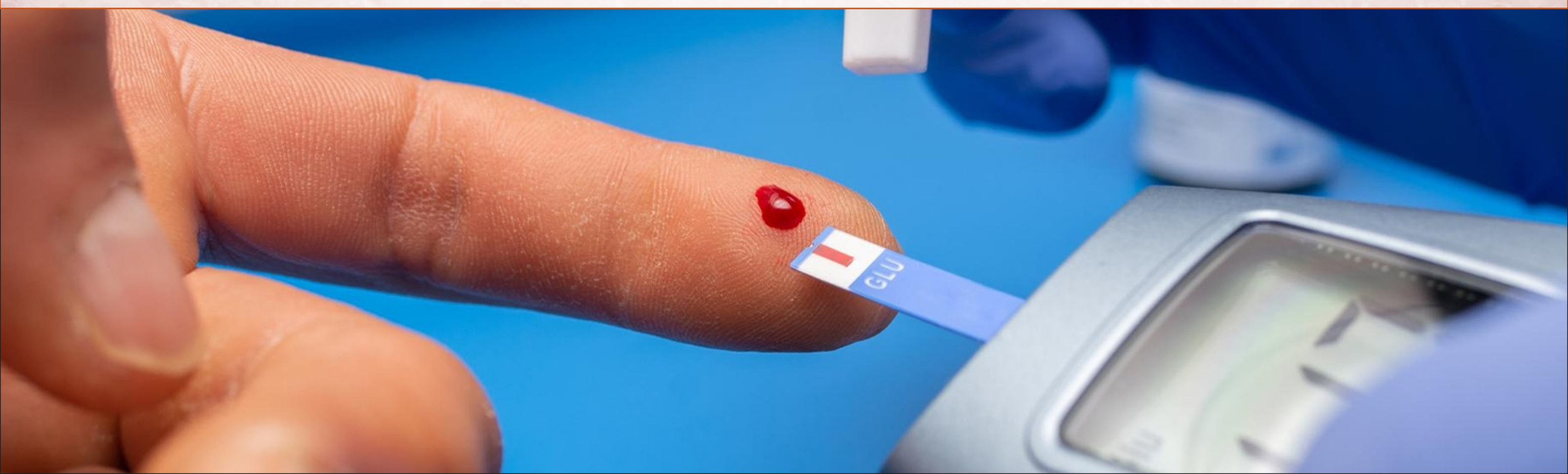

आयुर्वेद में Diabetes का समाधान

डायबिटीज की सटीक पहचान और
आयुर्वेदिक पंचकर्म से तेजी से सुधार संभव है।
https://internationaljournal.org.in/journal/index.php/ijayush/article/view/1406

अनियंत्रित डायबिटीज और नसों की समस्या में भी
आयुर्वेदिक उपचार से स्पष्ट सुधार देखा गया है।
https://www.journalijar.com/article/54495/the-great-revert-of-uncontrolled-type-2-diabetes-mellitus-with-diabetic-neuropathy-by-ayurvedic-intervention:-a-case-study-relating-topittaj-prameha---subtype-haridra-meha/

आयुर्वेदिक पंचकर्म के साथ सही आहार-विहार अपनाने से
डायबिटीज में बेहतर नियंत्रण पाया जा सकता है।
https://storage.googleapis.com/innctech/ejbps/article_issue/volume_12_july_issue_7/1751524626.pdf

आयुर्वेद और अनुशासित जीवनशैली से डायबिटीज में शुगर
सामान्य स्तर तक लाकर शरीर का संतुलन सुधर सकता है।
https://ahr.a2zjournals.com/index.php/ahr/article/view/72

डायबिटीज में आयुर्वेदिक पंचकर्म पद्धति शरीर के सभी
संतुलन को सुधारते हुए शुगर स्तर स्थिर करने में सहायक हो सकती है।
https://storage.googleapis.com/innctech/ejbps/article_issue/volume_12_august_issue_8/1754982786.pdf

नियमित दिनचर्या और आयुर्वेद पंचकर्म अपनाने से डायबिटीज
में मेटाबॉलिक संतुलन बेहतर होता है।
https://ahr.a2zjournals.com/index.php/ahr/article/view/72

समय पर पहचानी गई डायबिटीज में आयुर्वेदिक पंचकर्म उपचार से
अत्यधिक सुधार और रिवर्सल तक संभव है।
https://ijapr.in/index.php/ijapr/article/view/3797

गंभीर रूप से बढ़ी डायबिटीज में भी आयुर्वेदिक पंचकर्म इलाज से
शुगर स्तर में बड़ी गिरावट लाई जा सकती है।
https://www.journalijar.com/article/55547/management-of-type-2-diabetes-mellitus-significantly-through-ayurvedic-intervention:-a-case-study-of-vatajapramehachikitsa/

आयुर्वेद में Diabetes का समाधान

डायबिटीज में आयुर्वेद पंचकर्म अपनाने से न सिर्फ शुगर नियंत्रित होती है,
बल्कि जीवनशैली भी बेहतर बनती है।
https://www.vedadhyan.com/media/post/AYUR-1-4-5.1.pdf

आयुर्वेदिक औषधियों से डायबिटीज में न केवल शुगर कम होती है,
बल्कि उससे जुड़े लक्षणों में भी स्पष्ट राहत मिलती है।
https://www.wjpls.org/admin/assets/article_issue/128082025/1756526224.pdf

आयुर्वेदिक जीवनशैली से
शुगर स्थिर और मेटाबॉलिज़्म बेहतर होता है।
https://www.wjahr.com/admin/assets/article_issue/78092025/1759208022.pdf

डायबिटीज में आयुर्वेदिक दृष्टिकोण गलत
आहार-विहार को सुधारकर बीमारी के मूल कारण पर काम करता है।
https://www.wjpmr.com/home/article_abstract/7117

डायबिटीज में आयुर्वेदिक औषधियों का संयुक्त प्रभाव शुगर
लेवल के साथ शरीर की इ◌ंसुलिन प्रतिक्रिया को भी बेहतर बना सकता है।
https://www.wjpmr.com/home/article_abstract/7126

आयुर्वेदिक पंचकर्म उपचार डायबिटीज में शुगर नियंत्रण के
साथ शरीर की आंतरिक क्रियाओं और मेटाबॉलिक प्रक्रिया को संतुलित
करने में सहायक हो सकता है।
https://www.wjpls.org/admin/assets/article_issue/131112025/1764847954.pdf

सही आहार, नियमित दिनचर्या और समग्र
पंचकर्म चिकित्सा से डायबिटीज में लंबे समय तक स्थिर नियंत्रण और
बेहतर परिणाम मिल सकते हैं।
https://www.wjahr.com/admin/assets/article_issue/78092025/1759208022.pdf

बढ़ती उम्र में डायबिटीज के बढ़ते जोखिम को आयुर्वेदिक देखभाल
और सही प्रबंधन से संतुलित किया जा सकता है।
https://irjay.com/index.php/irjay/article/view/1566

Ayurved

पंचकर्म

के महत्व को समझें..!

पंचकर्म आपके शरीर का नया जन्म है

Dr. Naresh Trehan
Renowned cardiac surgeon and
Founder of Medanta, Gurugram

पंचकर्म बॉडी डीटाक्स का साधन है

Dr. SK Sarin
Renowned liver Expert
Director of the Institute of Liver and Biliary Sciences

पंचकर्म प्रत्येक व्यक्ति को करवाना चाहिए,
मनुष्य के स्वास्थ्य को बनाए रखने का यह एक प्रमुख स्त्रोत है।

Prof. ISH SHARMA
MD, Ph.D AYURVEDA
Ayurveda Ambassador (Mauritius)

https://www.instagram.com/reel/DUSRSkvCNMG/?igsh=ZzJmdWUxb2FheXdl

हम अपने घर को रोज साफ-सफाई (Dusting) करते हैं फिर भी **दिवाली पर सफाई** करने पर घर से तमाम गंदगी निकलती है, इसी तरह भले ही हम अपने शरीर को शुद्ध रखने की कोशिश करते हैं, फिर भी इसकी **पंचकर्म शुद्धि** अत्यंत आवश्यक है।

जिस प्रकार हम समय समय पर अपने **स्कूटर** की, **बाइक** की व **कार** की सर्विस करवाते हैं, उसे ठीक रखने के लिए। उसी प्रकार..

अपने शरीर की शुद्धि (Servicing) क्यों नहीं करवाते..?

अगर आप भी लाखों लोगों की तरह

केमिकल वाली ड्रग्स

के साइड इफेक्ट से छुटकारा पाना चाहते हो..?

तो आज हीं अपनी पंचकर्म शुद्धि JOURNEY शुरु करें।